21.01.22 ZOOM NO 66 10:31

बात कोश वार्ता - छंद . गोपाराम S/o भंवराराम बडी
भाट, बीसू खुर्द, बाडमेर

विवरण संरक्षा - सोमठियो चारण

हिंगेलाज माता की चिरजा

सोमठियो-चारण के संतान नही थी, सोमठियो आई माता का भक्त था। आई माता देवी रूप मे प्रकट थी

सोमठीयो चारण के सात लडकीयाँ उत्पन हुई। सात लडकीयाँ के बाद एक लडका भाई खेतपाल पैदा हुआ। चारणों को गढवी कहते है। चारण जो गायों को चराने वाले होते है।

21.01.22 ZOOM NO 68 69 06.02

विवरण संरक्षा - चेलक

चेलक गांव मे एक अद्भुती रचना थी की चेलक मे गांवों मे राजपूतों के लडकीयाँ नहीं रखते। वो कहते कि हम किसी के साले नहीं बनते। फिर बाद 10-15 साल मे 8-10 लडकीयों रखी, चेलक गांव के राजपूत बहुत सपूत आदमी थे, चेलक, उदयसिंह के चूड़े के बोलते है। इस गांव मे बहुत ही सूर-वीर व फरार होते गांव मे बहुत सारे लोग अपनी विरता को अपनाने मे लगे है।